हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 8 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बिछिया बांध में मिली डेड बॉडी

भुआबिछिया। बिछिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत बांध में एक डेड बॉडी उफनाती हुई दिखाई दी जिसकी जानकारी स्थानीय लोगों के द्वारा बिछिया थाने में दी गई बिछिया थाने के द्वारा डेड बॉडी को बाहर निकाला गया जिसकी पहचान राज झरिया पिता राधे लाल झरिया उम्र 20 वर्ष निवासी सरगम कॉलोनी भुआबिछिया के रूप में हुई जो दिनांक 02.12.2025 दोपहर 1 बजे से बिछिया से लापता था।

उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में एनसीसी कैडेट्स ने मनाया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

मण्डला। उत्कृष्ट विद्यालय मंडला के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस देशभक्तिपूर्ण माहौल में मनाया। यह आयोजन 1 एमपी आर्टिलरी रेजिमेंट एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विक्रांत त्यागी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। सशस्त्र बलों के बलिदान को याद करने और उनके परिवारों के कल्याण के लिए जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने ध्वजारोहण किया और देश की रक्षा में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कैडेट्स ने पूर्ण अनुशासन के साथ एक भव्य मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया, जो भारतीय सेना के प्रति उनके सम्मान और अनुशासन की भावना को दर्शाता है। एनसीसी ऑफिसर श्री विपिन लखेरा एवं श्री संजय धनगर के साथ विद्यालय से शहर के प्रमुख मार्गों तक एक रैली निकाली गई, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के महत्व और सैनिकों के कल्याण कोष में योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए सैनिकों के त्याग और समर्पण को याद किया और सभी से उनके परिवारों के समर्थन में आगे आने का आह्वान किया। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास और कल्याण के लिए धन एकत्र करना है। कार्यक्रम में वन एमपी आर्टी रेजिमेंट एनसीसी जबलपुर से हवलदार एच.आई. मैतेई उपस्थित थे।

बदहाली का शिकार कटंगा टोला की प्राथमिक शाला

जर्जर भवन में पढ़ने मजबूर 27 बच्चे

*** प्रशासन से नये स्कूल भवन की लगा रहे गुहार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर जनपद पंचायत मंडला की ग्राम पंचायत खुड़िया के पोषक ग्राम कटंगा टोला में संचालित शासकीय उन्नत प्राथमिक शाला कटंगा टोला की स्थिति शिक्षा विभाग की संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। आदिवासी बाहुल्य इस ग्राम के 27 नौनिहाल आज भी एक जर्जर भवन व एक संकीर्ण रंगमंच में पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

तीसरी से पांचवीं की कक्षाएँ गाँव के रंगमंच में संचालित की जा रही हैं, जबकि जगह की कमी के कारण पहली और दूसरी कक्षा के बच्चे जर्जर हो चुके शाला भवन के बरामदे में बैठकर पढ़ते हैं। इससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि पुराना स्कूल भवन वर्ष 2001 में निर्मित हुआ था, परंतु पिछले 3–4 वर्षों से पूरी तरह जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों की सहमति से एक वर्ष तक स्कूल गाँव के ही एक घर में चलाया गया, लेकिन बाद में घर मालिकों ने इंकार कर दिया। इसके बाद गाँव में कहीं भी सुरक्षित स्थान न होने से कभी रंगमंच में तो कभी खुले स्थानों पर कक्षाएँ लेने की मजबूरी बनी हुई है।

शिक्षक राजेन्द्र परते ने बताया कि एसडीओ और इंजीनियर द्वारा पुराने भवन में कक्षा न लगाने के निर्देश दिए गए, लेकिन मरम्मत के लिए विभाग से कोई अतिरिक्त राशि नहीं मिली। मजबूरी में शिक्षकों ने व्यक्तिगत 8,000 रुपये खर्च कर छत की वाटरप्रूफिंग कराई, जिसका भुगतान आज तक नहीं हुआ। इसके बाद मरम्मत न होने से अब भवन पूरी तरह उपयोगहीन हो चुका है।

शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष ने बताया कि लगातार विभाग को अवगत कराने और दो बार कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत करने के बावजूद कोई हल नहीं निकला। बच्चों को खुली जगह में मध्यान्ह भोजन करना पड़ता है, जहाँ जानवरों से भी खतरा बना रहता है। शिक्षक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चाहते हैं, लेकिन भवन के अभाव में रंगमंच में सभी बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ाना बेहद कठिन हो रहा है।

ग्रामीणों व शाला प्रबंधन ने जिला प्रशासन से शीघ्र नए स्कूल भवन की स्वीकृति देने की मांग की है, ताकि ग्राम के बच्चों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके।

इनका कहना है -

स्कूल भवन को लेकर हमारे सामने बड़ी समस्या है हमें बच्चों को पढ़ाने में बड़ी समस्या होती है, हमारी जिला के अधिकारियों से अनुरोध है की जल्द यहां स्कूल भवन का निर्माण कार्य कराया जाये।

-राजेन्द्र परते, शिक्षक,
शा. उन्नत प्राथमिक शाला कटंगा टोला, खुड़िया, मण्डला

माध्यमिक शाला बबलिया को सांसद कुलस्ते ने लिया गोद

*** मेरा विद्यालय सुंदर विद्यालय कार्यक्रम की पहल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गत दिवस बाबलिया में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का आगमन हुआ। इस अवसर पर जहां उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों के बीच जाकर उनका उत्साह वर्धन किया वहीं विकास खंड शिक्षा अधिकारी डी के सिंगौर के आग्रह पर माध्यमिक शाला बबलिया को गोद लेने का आग्रह स्वीकार किया। उल्लेख है कि नारायणगंज विकास खंड में मेरा विद्यालय सुंदर विद्यालय नवाचार पर कार्य चल रहा है जिसमें लगातार कक्षा 1 से 8 के विद्यालयों की लगातार रेटिंग की जाकर विद्यालयों के सौंदर्यीकरण, विद्यार्थियों के शैक्षणिक उन्नयन और विद्यालय में पठन पाठन का उमदा माहौल तैयार करने के प्रयास किए जा रहे हैं जहां विद्यालय के प्रमुख और शिक्षक अपने विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने में जुटे हुए हैं विद्यालय को तीन महीने में ए ग्रेड में लाने का प्रयास कर रहे हैं वहीं इस कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने और चुनौती वाले विद्यालयों को सुसज्जित करने जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों को गोद लेने की मुहिम पर भी काम किया जा रहा है। माध्यमिक शाला बबलिया को क्षेत्र के मॉडल विद्यालय के रूप में तैयार करने की योजना है क्योंकि यह विद्यालय क्षेत्र का केंद्र बिंदु है जहां पर क्षेत्र के शिक्षकों का बैठकों आदि में आना जाना लगा रहता है इस विद्यालय से क्षेत्र के शिक्षक प्रेरणा लेंगे। विकास खंड अंतर्गत शालाओं को गोद लेने के क्रम में जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीया द्वारा माध्यमिक शाला फड़की माल, जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा द्वारा माध्यमिक शाला पटेहरा, माध्यमिक शाला चंदेहरा, जनपद सदस्य सुंदर लाल उर्वेती द्वारा माध्यमिक शाला डोभी, मुख्य कार्य पालन अधिकारी दीप्ति यादव द्वारा माध्यमिक शाला शाहा, प्राचार्य एकलव्य विद्यालय मनोज कुमार द्वारा प्रा शाला कोंडरावन शालाओं को गोद लिए गए। इन विद्यालयों के शिक्षक विद्यालय का प्रतिवेदन तैयार कर रहे हैं, इसके बाद शाला गोद लेने वाले जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की विजिट के बाद कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

स्लग-बाघ के हमले से एक 56 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

मण्डला जिले के बिछिया सामान्य वन मंडल के अंतर्गत बाघ के हमले मे कटंगा रैयत निवासी पंचम धुर्वे अपनी मवेशियों को लेकर 5/12/25 को घर के पास लगे जंगल में गया था जब शाम को वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने बिछिया थाने में सुचना दी आज 7/12/25 को कुछ ग्रामीणों द्वारा गांव में सुचना दी गई की एक व्यक्ति का क्षत विक्षत शव जंगल में हमनें देखा है इसके बाद वन विभाग और पुलिस विभाग को इसकी जानकारी दी गई। मौके में वन विभाग और पुलिस विभाग़ के पहुंचने के बाद शव स्थल पर जाकर शिनाख्त की गई और परिजनों ने शव की पहचान पंचम धुर्वे के रूप में की। इसके बाद दोनों विभागों के द्वारा विधिवत कार्यवाई की गई एवं शव का पोस्टमार्टम स्वास्थ्य विभाग़ की टीम द्वारा किया गया इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान वन विभाग के ऊपर ग्रामवासियों के द्वारा कई गंभीर आरोप लगाए गए और मांग की गई कि फेंसिंग की ऊंचाई बढ़ाई जाए और बारामासी की सफाई विधिवत तरीके से करवाई जाये साथ ही मृतक के परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा और परिवार के किसी व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए।

गोरखधंधा | **किसकी शह पर फल-फूल रहा है कबाड़ का गोरखधंधा।**

लोहे से भरे ट्रकों से कैसे निकाला जाता लोहा

*** स्थानीय व्यापारियों को हो रहा जबरदस्त नुकसान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/अंजनिया

जिला मुख्यालय से महज 20 किलो मीटर और नेशनल हाइवे तीस से लगे हुए ग्राम अंजनिया क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कबाड़ व्यवसायी के द्वारा कबाड़ के की आड़ में चोरी का माल खरीद फरोख्त करने की जानकारी प्राप्त हो रही है और जानकारी के अनुसार अंजनिया निवासी द्वारा वर्षों से केवल दिखावे के लिए कबाड़ का कार्य किया जा रहा है बल्कि कबाड़ की आड़ में छत्तीसगढ़ से ट्रकों में आने वाले लोहा को ट्रक ड्राइवर से साठगांठ कर ट्रक में लोड लोहा सीमेंट पाइप अन्य तरह तरह की सामग्री सस्ते दामो में लेकर उन्हें फिर महंगे महंगे दामो में बाजार के साथ साथ लोगो को बेचा जा रहा है इनके द्वारा अबैध खरीदी के साथ-साथ जीएसटी की चोरी भी की जा रही है। इस तरह का अवैध कारोबार बिना स्थानीय संरक्षण से फल फूल नहीं सकता है।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि यह कबाड़ी चोरी का लोहा और अन्य सामग्री स्थानीय ग्राहक संस्था को बाजार से सस्ते दामों पर बेच रहा है। इससे इस बात की आशंका और भी गहरी हो जाती है कि यह पूरा नेटवर्क संगठित है और एक सुनियोजित तरीके से संचालित हो रहा है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह कृत्य न केवल अवैध है, बल्कि ईमानदार व्यवसायियों के लिए नुकसानदायक सिद्ध हो रहा है। कम दामो में मिलने के कारण अन्य लोहे का व्यापार करने वाले दुकानदारों की बिक्री न के बराबर है इस अवैध कारोबार के जरिए राज्य सरकार को जीएसटी और अन्य करों के रूप में भी राजस्व की हानि हो रही है। बिना बिल और उचित दस्तावेजों के सामग्री की खरीद-फरोख्त सीधे तौर पर कर चोरी की श्रेणी में आती है। वहीं दूसरी ओर, चोरी के माल को खरीदना और बेचना भारतीय दंड संहिता के तहत दंडनीय अपराध है। यदि ट्रक के चालकों और दुकानदार से पूछताछ की जाए और माल का स्रोत खंगाला जाए तो इस नेटवर्क का बड़ा खुलासा हो सकता है। एक स्थानीय निवासी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, हमने कई बार देखा है कि रात को ट्रक आते हैं और कुछ लोग जल्दी-जल्दी सामान उतारते हैं। यदि यह माल चोरी का साबित होता है तो यह गंभीर आपराधिक मामला बन सकता है।

इससे पहले भी अंजनिया और आसपास के क्षेत्रों में कबाड़ियों द्वारा चोरी का माल खरीदे जाने और स्क्रैप के नाम पर अवैध व्यापार की खबरें आती रही हैं। लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन और पुलिस इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। यदि समय रहते जांच शुरू नहीं की गई तो यह नेटवर्क और भी व्यापक हो सकता है। अंजनिया क्षेत्र में चोरी के लोहे की अवैध खरीदी और बिक्री का यह मामला न केवल आर्थिक अपराध है बल्कि सामाजिक सुरक्षा और व्यवसायिक पारदर्शिता के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। समय रहते इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो वह संगठित अपराध के रूप में फलता फूलता रहेगा। प्रशासन और पुलिस को तत्काल हस्तक्षेप करते हुए दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। जिससे ट्रकों से जा रहे लोहा सीमेंट अन्य सामग्री की चोरी पर लगाम लग सके।

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 519. देवेन्द्र निर्मलकर पिता\पति दौलत राम निर्मलकर पता- दुर्गा चौक, मठपुरैना रायपुर, 520. दिशा वर्मा पिता\पति अनिल कुमार वर्मा पता- सद्दू LIG-717 RAIPUR, 521. भोला राम वर्मा पिता\पति स्व.रतन लाल वर्मा पता– रायपुर, 522. अमित साहू पिता\पति गौकरण साहू पता- प्रगति विहार कॉलोनी संतोषी नगर, 523. शुभम कुमार सिन्हा पिता\पति गंगा प्रसाद सिन्हा पता- राजा तालाब रायपुर, 524. राजा शा पिता\पति अनवर शा पता- गोकुल नगर रायपुर, 525. गया प्रसाद मानापुरे पिता\पति बाबू जी मानापुरे पता- प्रेम नगर गुढ़ियारी, 526. बरखा तिवारी पिता\पति दीपक कुमारतिवारी पता- टेकारी मंढार रायपुर, 527. अविनाश साहू पिता\पति हिरेन्द्र कुमार साहू पता- बढाई पारा ब्रम्देव मंदिर के पास रायपुर, 528. लोमश कुमार साहू पिता\पति गणेश राम साहू पता- खोरपा रायपुर, 529. भोजराज साहु पिता\पति तुकाराम साहु पता- कुरूद, 530. सूरज कुमार पिता\पति सुरेश पता- रावनगुंडा कुरूद, 531. शिवम् कुमार सहू पिता\पति धनेश राम साहू पता-ग्राम-बकली, 532. कु. मोनिका गुप्ता पिता\पति अमर नाथ गुप्ता जी पता- मठ मंदिर चौक धमतरी, 533. अमन अग्रवाल पिता\पति अजय अग्रवाल पता- वार्ड न.-3 डोंगरगढ़, 534. अर्चना दुबे पिता\पति बी. एस.तिवारी पता- वार्ड न.-3 डोंगरगढ़, 535. मनबीर राज कौर पिता\पति शंट्री सिंह जगमहिमा पता- डोंगरगढ़, 536. रीतू वर्मा पिता\पति देवेन्द्र वर्मा पता- वार्ड न.09 कोविया, 537. नरेश साहू पिता\पति किशन लाल पता- संजय नगर कांकेर, 538. श्रीमती जानकी देवांगन पिता\पति श्री जगदीश प्रसाद देवांगन पता- डौंडी लोहारा, 539. सोमेश पाण्डेय पिता\पति स्व. मदन प्रसाद पाण्डेय पता- जगदलपुर, 540. संदीप कुमार सेन पिता\पति रघुराज सेन पता- शंकर नगर वार्ड न.-09, 541. श्री राम साहू पिता\पति जी.आर.साहू पता- रामनगर कवर्धा, 542. जलेन्द्र कुमार साहू पिता\पति महेंद्र कुमार साहू पता- सुहेला, 543. कशिश नेताम पिता\पति हरिशंकर नेताम पता- आर.ई.एस.कॉलोनी कोंडागांव, 544. काजल साहू पिता\पति दया राम साहू पता- बजरंग पारा कोहका, 545. शौर्य जंघेल पिता\पति हिरेन्द्र जंघेल पता- लक्ष्मी नगर सुपेला, 546. मेघा साहू पिता\पति मोहन लाल साहू पता- सरस्वती कुंज रिसाली भिलाई, 547. श्रीमती आशा ताम्रकार पिता\पति स्व. भारत भूषण ताम्रकार पता- म.न.20/1 नेहरू नगर पूर्व भिलाई, 548. धीरज कुमार पिता\पति फूलचंद प्रसाद पता- खुर्शिपार जोन-03 भिलाई, 549. अश्वनी कुमार साहू पिता\पति बी.आर साहू पता- राकेश चौक वार्ड न.04 जरवाय भिलाई 03, 550. यशवंत कुमार पिता\पति घनाराम नेताम पता- प्लाट न.182/3 व्ही.आई. पी नगर, 551, अजय कुमार पाण्डेय पिता\पति अश्वनी कुमार पाण्डेय पता- गणेश नगर रावण भाठा जामुल भिलाई, 552. भूपेश कुमार यादव पिता\पति कैलाश प्रसाद यादव पता- दुर्गा मंदिर के पास खुर्शिपार भिलाई, 553. कशिश साहू पिता\पति हिरामत लाल साहू पता- नयापारा उतई, **बिलासपुर संस्करण –** 554. पूर्णिमा पिता/पति समिति दफाई कोरिया कॉलोरी, 555. रितेश गुप्ता पिता/पति राजेन्द्र गुप्ता पता- बाजार पारा बैकुठपुर, 556. रोहित कुमार पिता/पति कृष्णा कुमार साहू पता- तलवा पारा बैकुठपुर, 557. प्रियंका गुप्ता पिता/पति दुर्गा प्रसाद गुप्ता पता- तलवा पारा, 558. योगेश चंद्रा पिता/पति पन्नालाल चंद्रा पता- स्कूल पारा बैकुठपुर, 559. गोविंद कुमार पिता/पति प्यारे मोहन पता- कचहरी पारा बैकुठपुर, 560. नैना चौरसिया पिता/पति फते बहादुर चौरसिया पता- बैकुठपुर, 561. दीपक कुमार जायसवाल पिता/पति अशोक कुमार जायसवाल, पता- सकरीया, 562. हर्ष यादव पिता/पति खिलानंद यादव पता- स्कूल पारा ओड़गी, 563. स्वाती गोयल पिता/पति सुशील गोयल पता- चरचा कोलोरी, 564. संदीना पिता /पति मो. अबूताब अंसारी पता- महाराणा प्रताप अंसारी चरचा, 565. सुष्मिता यादव पिता /पति स्कूल पारा ओड़गी बैकुठपुर कोरबा जिला, 566. अहमद रजा खान पिता/पति अंजार अहमद खान पता- सीतामढी बाल्को कोरबा, 567. श्रीमती शीतला साहू पिता/पति संजय साहू पता- दीपका कोरबा, 568. बबीता चौहान पिता/पति विषम चौहान पता- कोरबा, 569. सतीश चौहान पिता/पति सुखीराम चौहान पता- पोड़ीमार भदरापारा बाल्को कोरबा, 570. संस्कार राठौर पिता/पति ब्रम्हानंद राठौर पता- हरदीबाजार कोरबा, 571. श्री अजय खैरवार पिता/पति रामप्रसाद खैरवार पता- बाजार मोहल्ला बाल्को कोरबा, 572. नावानोनी यादव पिता/पति बबलू यादव कोरबा, 573. गायत्री भारद्वाज पिता/पति नंदकुमार भारद्वाज पता- नेहरू नगर बाल्को, 574. प्रदीप सिंह चंदेल पिता/पति लक्ष्मण सिंह चंदेल पता- शांति नगर बाल्को, 575. महेन्द्र कुमार बांधकर पिता/पति जनकराम बांधकर पता- इंदिरा नगर बाल्को, 576. कमलेश कुमार साहू पिता/पति श्याम लाल साहू पता- नेहरू नगर बाल्को, **भोपाल संस्करण –** 577. राजेश वर्मा पिता\पति नाथूलाल वर्मा पता- फेस-2 कान्हा कुंज अकबरपुर भोपाल, 578. साधना सेन पिता\पति रोशनलाल पता- नयाबसेरा कोटरा, 579. हिमांशी पिलवान पिता\पति मगनदास पता- पिलवान 824 दुर्गा नगरकोलार, 580. दीपक दिलवारिया पिता\पति जयनारायण दिलवारिया पता- नेहरू नगरमेन रोड, 581. सपना वर्मा पिता\पति राममनोहर वर्मा पता- विदिशा, 582. शेखर नामदेव पिता\पति सेवाराम नामदेव पता- विदिशा, 583. सुदीप नामदेव पिता\पति शिवराम नामदेव पता- विदिशा, 584. शाश्वत शर्मा पिता\पति सुनील शर्मा पता- गोदावरी कॉलोनी विदिशा, **जबलपुर संस्करण –** 585. सिलिवया मसीहा पिता\पति चंद्रभान पता- कोतमा, 586. अभिनय सोनी पिता\पति कैलाश सोनी पता- वार्ड नंबर 4 कोतमा अनूपपुर, 587. अनिल कुमार गुप्ता पिता\पति धन प्रसाद गुप्ता पता- कोतमा अनूपपुर, 588. मनीष सेन पिता\पति केदार प्रसाद सेन पता- पुरानी बस्ती कोतमा वार्ड नंबर 6 अनूपपुर, 589. सुयश जैन पिता\पति मनीश कुमार जैन पता- कोतमा, 590. यातिका केवट पिता\पति हरी लाल केवट पता- ग्राम पौड़ी कोतमा अनूपपुर, 591. कार्तिक सेन पिता\पति अशोक सेन पता- कोतमा अनूपपुर, 592. शिफरा पिता\पति मो सरफराज वार्ड क्रमांक 7 प्रो में अनूपपुर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

पुलिस की आंखों के सामने से गुजर रहे ओवर लोड वाहनों की सच्चाई को किया जा रहा नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। भले ही पुलिस द्वारा यातायात नियमों की दुहाई देते हुये जहां तहां सड़को पर खड़े होकर आये दिन छोटे वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये उनके चालान काटने से नही चूकती है, मगर उन ओवर लोडिंग वाहनों को क्यों नजर अंदाज किया जाता है यह सच्चाई जहां समझ से परे होते हुये जान पड़ रही है, वही दूसरी ओर यही कारण क्षेत्र में घटित होने वाली बड़ी दुघर्टनाओं में तब्दील होने से नही चूकता है? यदि सांईखेड़ा क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़को पर जिस प्रकार से ओवर लोडिंग सवारी वाहन दौड़ते हुये देखे जा रहे है उसे देखकर इस बात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि इस प्रकार की ओवर लोडिंग पुलिस की मिली भगत के बगैर हो पाना तो संभव हो ही नही सकता है? क्योंकि वाहन चालकों द्वारा जिस प्रकार से यातायात नियमों को दर किनार करते हुये अपने वाहनों के अंदर भेड बकरी के समान सबारी बैठाई जाती है उससे कही अधिक सवारी वाहनों के पीछे लुमा दी जाती है, जिसकी सच्चाई यह तस्वीर उजागर करने से नही चूक रही है, इस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहन यदि किसी स्थिति कें चलते दुर्घटना ग्रस्त हो जाता है तो इसमें बैठे हुई सबारियों का क्या हाल होगा इसका अनुमान लगाना शायद ही मुश्किल हो सकता है? इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां क्षेत्र की सड़को पर लोडिंग के लिये नाम पर दर्ज आटों में भी धडल्ले से वाहन मालिकों द्वारा सवारी बैठते हुये दौड़ाने से नही चूक रहे है, जबकि आरटीओ के नियम के अनुसार जहां लोडिंग के नाम पर दर्ज वाहनों का उपयोग सिर्फ लोडिंग के लिये किया जा सकता है उनमें किसी भी प्रकार से सवारी ढोना नियम विरूद्ध माना जाता है, मगर वर्दी के आर्शीवाद के चलते धडल्ले से नियमों की अव्हेलना होते हुये दिखाई देने के बाद भी पुलिस की भूमिका संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देने से नही चूक पा रही है?

टुल्लू पंप कम कर रहे जल का प्रवाह कम, गरीबों के नलों से निकल रही हवा?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। प्रकृति के साथ हो रही खिलबाड़ के चलते लगातार गिरते हुए जलस्तर से जहां लोगो को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है,वही लोगों के घर ही जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर ही आश्रित होती जा रही है? नगर में नपा. द्वारा संचालित जल वितरण व्यवस्था को नगरवासियो द्वारा टुल्लू पंपो का प्रयोग कर नलो के जल प्रवाह को कम कर रहे है? वही दूसरी ओर टुल्लू पम्प के प्रयोग से दूसरों के हिस्से का पानी भी छीन लेते है, इस वर्ष अच्छी बारिश न होने के कारण लगातार गिरते हुये जल स्तर के कारण नगर के अनेक क्षेत्रो में जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है? नगर में अधिकतर लोगो के यहां जल आपूर्ति नपा की शासकीय नलो की माध्यम से होती है, परंतु बिना मशक्कत के ज्यादा पानी प्राप्त करने के लालच के कारण नागरिको द्वारा खुलेआम घर के बाहर नलो पर टुल्लू पंपो का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके कारण नगर की जल आवंटन व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ाती हुई नजर आ रही है? जिस वक्त नल आते है उसी समय नगर में घूमकर देखा जाये तो पता चल जायेगा कि सैकड़ो की तादाद में नलो से जुड़े हुये टुल्लू पंप दुसरो के हिस्से के पानी पर किस तरह डाका डाल रहे है। नगर के गरीब तबके लोगो के घर की जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर आश्रित रहते है,स्वाभाविक रूप से गर्मी के दिनों में पानी अधिक खर्च होता है पानी की जितनी आवश्यकता अमीर एवं मध्यम वर्ग को होती है उतनी ही दरकार गरीबो को भी होती है, परंतु उंचे तबके के लोग अपनी धौंस और पहुंच के बल पर अपने नलो में टूल्लू पम्पो का प्रयोग कर करते है। नलो में क्यो रहता है कम प्रवाह-नगर के ढलान वार्डो में रह रहे वाशिंदो को तो पानी मिल रहा है किन्तु वे लोग जिनके घर उंचाई पर है वहां पानी जरूरत के हिसाब से पहुंच नही रहा है जहां पर नलो से निकलने वाले पानी का प्रवाह ही कम है, दूसरी रही सही कसर जल वितरण व्यवस्था में टुल्लू पंपो का हस्ताक्षेप पूरी कर देता है।

लाखों की लागत से बनाया गया सरकारी भवन आमजन के लिये साबित हो रहा अनुपयोगी

गंदगी का अम्बार होने के साथ आसपास निवास करने वाले लोग वाहन स्टेन्ड के रूप में कर रहे उपयोग..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

सरकार द्वारा आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये जहां तहां भवनों के निर्माण हेतु मनमानी राशि प्रदान की जा रही है। मगर शासन की राशि से बनने वाले इन भवनों को लेकर स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा उपयुक्त जगह के चयन करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम यह देखने मिलता है कि लाखों की लागत से बनने वाले यह भवन जहां आमजन के लिये अनुपयोगी साबित होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर में भी देखने मिल रही है। क्योकि बीते हुये कुछ वर्षो में इस तरह सरकारी राशि या फिर एनटीपीसी प्लांट के सहयोग में जिस तरह भवनों का निर्माण हुआ है जिसके चलते नगर में बने हुये इन भवनों की आमजन गिनती तक नही कर पा रहे है तो दूसरी ओर इन भवनों के निर्माण को लेकर अधिकारियो द्वारा जिस जगह का चयन किया गया है उसके चलते यह भवन अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के बीटीआई स्कूल के बीते कुछ वर्ष पहले बने हुये अम्बेडकर मंगल भवन की देखने मिल रही है। कहने के लिये तो इस भवन का निर्माण हुये कई वर्ष गुजर चुके है। मगर आज तक यह भवन आमजन के उपयोग में आते हुये नही देखा गया है। इसी का परिणाम है कि आमजन के लिये अनुपयोगी साबित होने वाले यह अम्बेडकर मंगल भवन खंडहर की ओर अग्रसर होने के साथ साथ यहां बने हुये आस पास के बंगलों में निवास करने वाले अधिकारियों के लिये अपने वाहन रखने के लिये वाहन स्टेन्ड बन चुका है। क्योंकि भवन परिसर में उग रही घास सहित अन्य प्रकार झाड़िया व फैल रही गंदगी अधिकारियों के स्वच्छता अभियान पर अंगुली उठाते हुये तो देखी जी हा रही है? वही दूसरी ओर लाखों की लागत से बने हुये इस भवन की बदहाली पर नजर डाली जावे तो इसके मुख्य द्वारा पर ताला लटका होने के साथ साथ अंदर मकड़ी के जालों के चलते गंदगी का आलम देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर सामने वाले मुख्य द्वार पर जिस तरह अनेक प्रकार के झाड़िया उगते हुये गंदगी का अम्बार लगा हुआ होने से सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण लगाने से नही चूक रहा है। सही मायने में देखा जावे तो इस भवन के निर्माण को लेर जगह चयन में बरती गई कोताही का परिणाम है कि भवगन की उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। क्योंकि सरकार द्वारा इस तरह मंगल भवनों का निर्माण इस सोच के चलते कराया जाता है कि जो लोग अपने बेटी बेटों की शादी समारोह हो या फिर अन्य कोई दूसरा कार्यक्रम निजी महंगे भवनों में संपन्न नही करा पाते है तो उनके लिये यह भवन उपयोगी साबित हो चुके और आमजन इनका उपयोग कर सके। मगर इस भवन को जिस जगह निर्माण हुआ है उसी से चंद कदम दूरी पर नगर का सबसे पुराना बीटीआई स्कूल स्थित है तो दूसरी ओर इस भवन के निर्माण के उपरांत यहां पर छात्राओं के लिये छात्रावास का निर्माण भी शासन द्वारा कराया गया है। वही दूसरी ओर इसी भवन से लगा हुआ रजिस्टार आफिस सहित कानून गौ आफिस के आलवा अन्य अधिकारियों के निवास के बंगले भी बने हुये है। इस तरह सरकारी स्कूल व अधिकारियों के निवास होने के चलते इस भवन में किसी भी प्रकार से शादी समारोह के आयोजन को संपन्न कराने की उम्मीदों पर पूर्ण रूप से विराम ही लगा हुआ जान पड़ रहा है? इतना ही नही जब स्थानीय स्तर पर नगर पालिका चुनावी प्रक्रिया होती है तो उसका संचालन भी नगर के बीटीआई स्कूल में होने के साथ साथ यही पर स्ट्रांग रूम की स्थापना किये जाने के कारण यह संपूर्ण क्षेत्र आमजन की पहुंच से दूर होने के कारण प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया जाता है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इस स्थिति के बीच इस भवन आम जन द्वारा उपयोग कर पाना संभव हो सकता है..? शायद यही कारण है कि इस भवनों को बने हुये कई वर्ष निकल जाने के बाद भी आज तक इस अम्बेडकर मंगल भवन में आज तक किसी भी प्रकार से कोई कार्यक्रम आयोजित होते हुये नही देखा गया है जिसके चलते निश्चित तौर से लाखों की लागत से बना हुआ यह सरकारी भवन आमजन के लिये जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रहा है? यह बात जरूर है कि जब भी नगर व क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया संपन्न होती है तो वाहर से आने वाले सुरक्षा फोर्स को रूकने के लिये जरूर इस भवन का अधिकारियों द्वारा उपयोग में लिया जाता है और इसके बाद यहां पर सदा ही ताला लटका हुआ देखे जाने के कारण यह भवन आमजन के उपयोग किये बगैर ही खड़हर में तब्दील होने की ओर अग्रसर होने के साथ साथ इस भवन के आसपास निवास करने वाले अधिकारियों के लिये वाहन स्टेन्ड के रूप में उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यदि इस भवन के निर्माण को लेकर जगह का सही चयन करते हुये निर्माण कराया गया होता तो निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये यह एक बड़ी सौगात साबित हो सकती थी और सरकार द्वारा आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये खर्च की गई राशि का भी सही उपयोग हो सकता था। मगर अधिकारियों से लेकर जिम्मेदार माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते सरकारी राशि का दुरूपयोग होने से नही चूक पाया है।

पुलिस ने सालीचौका निवासी युवक के पास से 11 किलों गांजा जप्त करते हुये किया गिरप्तार

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा

लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के निर्देशन में OPERATION EAGLE CLOW चलाते हुये सभी थाना प्रभारियों को कार्यवाही के सख्त आदेश दिये गये है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सांईखेड़ा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की नगर के बसेड़िया पेट्रोल पंप के समीप एक व्यक्ति अपने साथ कुछ मादक पदार्थ रखे हुये जो विक्रय करने की जुगाड़ में घूम रहा है। इस सूचना से सांईखेड़ा पुलिस द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिसके चलते जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी को माल सहित पकड़ने के आदेश दिये गये। वही आरोपी को पकड़ने के जिले अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के कुशल नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस तरह बनाई गई टीम में साईखेड़ा थाना प्रभारी के अलावा सहायक उप निरीक्षक सतीश सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक चंद्रभूषण वाजपेयी, देवेन्द्र सिंह, वही दूसरी ओर मादक पदार्थो के अवैध कारोबार करने वालों पर बाज की तरह नजर रखने वाले आरक्षक दिनेश पटैल, भगवान सिंह, हेमंत मेहरा, दीपक ठाकुर, उमेश वर्मा, सुदीप ठाकुर, हिमांशु वर्मा, महिला आरक्षक नीशू रघुवंशी को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर के बताये गये स्थान की घेराबंदी करते हुये एक युवक को संदिग्ध स्थिति में खड़ा हुआ पाये जाने पर जब उसे हिरासत में लेते हुये पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम आशीष उर्फ गोलू पिता सुरेश कहार उम्र 23 साल निवासी रेता मुहल्ला सालीचौका का होना बताया गया। वही जब पुलिस द्वारा युवक की तलाशी ली गई तो उसके पास से पुलिस को 11 किलो 138 ग्राम मादक पदार्थ गांजा मिला। इस गांजे की कीमत 2 लाख 20 हजार रूपया आकी जा रही है। इस तरह पुलिस द्वारा युवक के पास से गांजा जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ धारा 8,20(b) एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस तरह ग्राम सालीचौका निवासी युवक को इतनी अधिक मात्रा में खुले मैदान में गांजा रखते हुये पकड़ने में सफलता हासिल की गई तो फिर क्या वह सालीचौका से यहां तक गांजा विक्रय करने के लिये पैदल चलकर आया हुआ था..? इस सच्चाई को जानने के लिये जब सांईखेड़ा थाना प्रभारी से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि अब पता नही वह यहां तक कैसे पहुंचा है लगता है कि वह शायद उड़ीसा तरफ से आया होगा..? तो फिर क्या उड़ीसा से सांईखेड़ा के लिये सीधी वाहन सेवा उपलब्ध है जो आरोपी मादक पदार्थ गांजे की बोरी सब्जी भाजी की भांति अपने साथ रखते हुये वाहन में बैठकर आ गया होगा और यहां पर खड़ा हो गया और जिसके चलते पुलिस द्वारा गिरप्तार करने में सफलता हासिल कर डाली। जिस तरह सांईखेडा थाना प्रभारी द्वारा इस सफलता की सच्चाई बताई जा रही है वह जहां आसानी से आमजन के गले नही उतर पा रही है...?

नगर की सड़कों पर पशुओं का टकराव जारी, वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई सामने आ रही है..? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है। जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है। जिसके चलते वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है, क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है, इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बॉध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

समाज सेवी मुकेश बसेडिया द्वारा छात्र छात्राओं को मार्गदर्शित करते हुये

कल्याणपुर स्कूल में मेधावी छात्र सम्मान के साथ कैरियर मार्गदर्शन का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम कल्याणपुर के शासकीय उ मा विद्यालय में कैरियर मार्ग दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम में मां विजयासन इंस्टिट्यूट गाडरवारा के संचालक एवं क्षेत्र के समाज सेवी मुकेश बसेडिया द्वारा छात्र छात्राओं को मार्गदर्शित करते हुये सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छात्र छात्राये देश का भविष्य है अतः अनुशासित जीवन से उच्च शिक्षा एवं इच्छित लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हम सभी के माता-पिता एवं गुरु हमसे ज्यादा समझदार एवं अनुभवी है अतः उनकी बात हमको सदैव मानना चाहिए। माता-पिता एवं वृद्ध जनों की सेवा हमको बड़े होकर करना है एवं समाज से जो प्राप्त किया है तो समाज के लिए भी कुछ करना है। राष्ट्रधर्म, राष्ट्र निर्माण, राष्ट्र प्रेम की भावना सभी में जागृत होना चाहिए। इस अवसर पर बसेड़िया ने मेधावी छात्र छात्राओं कुमारी खुशी शर्मा, शैली कौरव, योगिता मेहरा एवं दिव्यांग छात्र अंशुल नामदेव सहित लगभग 30 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। वही स्कूल प्रबंधन को भारत व मध्यप्रदेश के मानचित्र भी भेंट किये। इस मौके पर शाला प्राचार्य ओम प्रकाश कौरव ने पुष्पगुच्छ देकर समाजसेवी बसेडिया का स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठ नागरिक अशोक शुक्ल, नरसरा सरपंच सतीश कौरव, मुकेश खेमरिया, श्याम लाल कुशवाह उपस्थित थे।

कान्हरगांव साईधाम समिति द्वारा आयोजित निःशुल्क उपचार शिविर में 103 मरीजों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव साई धाम मंदिर समिति के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये हर माह के प्रथम रविवार को निःशुल्क उपचार शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी प्रकार से दिसम्बर माह के प्रथम रविवार को 76 वे शिविर का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर में 2 शहरों सहित 26 गावों के लगभग 103 मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार करवाया। इस दौरान समिति द्वारा सभी मरीजों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पूर्णरूप से निःशुल्क दबाईयों का वितरण कागज के पैकिटों में किया गया। वही मरीजों के उपचार के लिये महिला रोग विशेषज्ञ डाक्टर स्वाती कुरचानिया के आलवा शिशु रोक विशेषज्ञ डाक्टर अरूण दोहरे, डाक्टर दुर्गेश पटेल, डाक्टर करूणा मालवीय तथा सहयोगी राहुल गिरी गोस्वामी, हरीष कौरव, नीलेश कुशवाहा, आकाश रजक, प्रशात सोनी सहित साई धाम मंदिर सेवा समिति कान्हरगांव के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि की गई।

ओलम्पियाड परीक्षा विकास खंड स्तर पर की आयोजित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन के आदेश अनुसार शासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वी एवं 10 वी में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए विकास खंड स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा क्षेत्र के सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा एवं उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में आयोजित की गई। जानकारी के अनुसार रविवार को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक विज्ञान एवं दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गणित विषय की परीक्षा आयोजित हुई । कुछ छात्रों ने दोनों विषय की परीक्षा में सहभागिता करते हुये परीक्षा दी गई। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा में उत्कृष्ट विद्यालय चीचली के केंद्र पर विज्ञान विषय में 146 में से 117 एवं गणित विषय में 146 में से 133 छात्र छात्राओं शामिल हुये। इसी प्रकार सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा में 168 में से 133 ने विज्ञान एवं 138 ने गणित विषय की परीक्षा दी। इस परीक्षा के आयोजन में सांदीपनी विद्यालय में प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, मनीष शंकर तिवारी, भानु राजपूत एवं उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में प्राचार्य भूपेश ठाकुर, सत्यम ताम्रकार, हेमंत शुक्ला, काशीराम रजक, शिवम नागा सहित पर्यवेक्षको का सहयोग रहा। परीक्षा में शामिल होने के लिए सुबह से ही छात्र छात्राएं केन्द्रो पर आना प्रारंभ हो गया था।

हर गॉव में खेल मैदान बनाने की योजना आखिर कहा हो गई गायब, गांवों में कहीं नजर नहीं आ रहे खेल मैदान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा। केन्द्र सरकार कुछ वर्ष पूर्व शुरू की गई हर गांव मे खेल मैदान बनाने की योजना पायका के अंतर्गत यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो कागजों पर ही खेल मैदान बनकर तैयार होते हुये देखे जा रहे है, क्योंकि लगभग सात वर्ष पहले लागू हुई इस योजना के तहत अभी तक एक भी खेल मैदान नजर नही आ रहा है जो इस योजना से बनकर तैयार हुआ हो? जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान पायका के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों ओर खिलड़यिों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर 5 हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गॉवों मे खेल मैदान बनाए जाना था। सिखाऍंगे खेल के गुर-चिन्हित ग्राम के सरकारी स्कूलों मे खेल मैदान तैयार किए जाने थे, जिनमे संविदा के आधार पर 500 रूपए प्रतिमाह पर एक प्रशिक्षक की भी नियुक्ति की होनी थी? इनकी नियुक्ति के लिए एक समिति के गठन का भी प्रावधान था, वही बताया जाता है कि इस समिति मे ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव और स्कूल के प्राचार्य शमिल होगे, इस प्रशिक्षक को क्रीड़ाश्री नाम दिया गया है। यह प्रशिक्षक मैदान बनने के बाद बच्चों को विभिन्न प्रकार के खेलों के गुर सिखाने के साथ साथ विभागीय गतिविधियों को भी संचालित करेगा नही मिली राशि-10 वर्षीय इस योजना मे ग्राम पंचायत मे स्कूल खेल मैदान एवं सुविधाओं के विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा राशि आवंटित की जाएगी, जिसमे गठित कार्यकारी समिति खेल मैदान का निर्माण, खेल सामग्री, मल्टी जिम आदि पर व्यय करेगे, लेकिन इन सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए केन्द्र सरकार से आवंटन प्राप्त नही हुआ है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीडा खेल अभियान के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी जो ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों और खिलडियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गांवों खेल मैदान बनाए जाना थें। मगर इस योजना की शुरूआत हुये कई वर्ष निकल गया। मगर इसके बाद भी आज अनेक पंचायतों में अभी तक न तो खेल मैदान दिखाई दे रहे है और न ही जिम्मेदारों द्वारा किसी भी प्रकार की रूचि लेते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते यह जान पड़ रहा हे कि शायद यह योजना मात्र कागजों तक ही सिमट कर पूर्ण हो चुकी है?

राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर कब मिलेगी गडढों से निजात

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा हर वर्ष अपने बजट में नई सड़को का निर्माण कराने के लिये अरबों रूपया खर्च करने की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से पुरानी सड़को की स्थिति हो रही है उस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस प्रकार से बन चुका है कि इन सड़को पर वाहन चालकों को सड़क खोजना मुश्किल होने लगा है? इस बात की सच्चाई इस समय राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले गाडरवारा पिपरिया के बीच देखने मिल रही है, जहां पर इस मार्ग पर गड्ढो की भरमार होने के कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर के समीप सड़क पर निकला हुआ गड्ढा अब वाहन चालकों के लिये जान लेवा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि यह गड्ढा दिनों दिन अपना रूप बढ़ाते हुये दिखाई दे रहा है जिसके चलते वाहन चालकों का निकलना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि अब इस मार्ग से निकलने वाले वाहनों से शासन प्रशासन द्वारा टोल टेक्स के रूप में राशि बसूलने की भी तैयारी कर डाली है जिसके चलते टेल टेक्स बसूलने के लिये तैयार निजी कंपनी द्वारा सड़क सुधार के नाम पर लीपा पोती करते हुये गड्ढो को भरने के नाम पर कुछ जगहों पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये पैसा बसूलने के नाम पर तैयार होकर बैठ चुकी है। मगर वाहन चालकों के लिये गड्ढो से कोई राहत दिखाई नही दे रही है।

कलेक्टर ने सीएचओ की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष जोर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में रविवार को कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में जिले के सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों (सीएचओ) की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे ने मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन प्रस्तुत किया।कलेक्टर ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इस दायित्व के निर्वहन में सीएचओ की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियाँ तय समय-सीमा में पूरी की जाएं तथा विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट दर्ज हों। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर जानकारी दर्ज न होने की स्थिति में कार्य को पूर्ण नहीं माना

जाएगा।

बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएचओ की सराहना की गई, वहीं कमजोर प्रदर्शन वाले अधिकारियों को चेताया गया और जल्द सुधार के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी सीएचओ को मुख्यालय में रहकर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और सार्थक ऐप पर प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश भी दिए।समीक्षा के दौरान डीटीओ डॉ. मनोज उरैती ने जिले में सिकल सेल एवं टीबी की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग सुनिश्चित कर डेटा पोर्टल पर अपलोड करने की प्रगति से अवगत कराया। जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी राजेश मरावी ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम तिमाही में पंजीकरण अनिवार्य है तथा चारों एएनसी जांच समय पर कराना सुनिश्चित किया जाए। एनीमिया स्क्रीनिंग 100 प्रतिशत कराने पर भी विशेष बल दिया गया।

राष्ट्रीय बाल एवं किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के जिला समन्वयक ओमप्रकाश उरैती ने 10 से 19 वर्ष के किशोरों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने किशोरियों को उमंग हेल्थ सेंटर में परामर्श सेवाओं से जोड़ने तथा 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की जन्मजात विकृतियों की पहचान कर उन्हें जिला अर्ली इंटरवेंशन सेंटर भेजने के निर्देश दिए।बैठक में पीआरओ चेतराम अहिरवार, आनंद मोहरे, सौरभ जैन, यादवेंद्र परिहार सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

कलेक्टर ने अंत में सीएचओ से अपेक्षा व्यक्त की कि वे संवेदनशीलता और समर्पण के साथ ग्रामीण समुदाय की सेवा करें। उन्होंने कहा आप स्वास्थ्य विभाग की अग्रिम पंक्ति में कार्यरत अधिकारी हैं। आपकी निष्ठा ही ग्रामीण मरीजों के लिए उम्मीद का आधार है। चिकित्सा सेवा एक पुनीत कार्य है, इसलिए हर जरूरतमंद तक सेवा पहुंचाना हमारा दायित्व है।

सांदीपनि विद्यालय शहपुरा की पूर्वी सोनी ने जिले में किया था टॉप, मेधावी स्कूटी योजना के तहत मिली स्कूटी

शहपुरा

सांदीपनि विद्यालय शहपुरा की होनहार छात्रा पूर्वी सोनी ने अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर बारहवीं कक्षा में होम साइंस विषय में जिले में टॉप कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। पूर्वी ने न केवल जिला स्तर पर बल्कि विद्यालय स्तर पर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री मेधावी छात्र स्कूटी योजना के अंतर्गत स्कूटी प्रदान की गई। स्कूटी मिलते ही विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और छात्र-छात्राओं में भी उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के प्राचार्य यशवंत साहू ने पूर्वी की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्वी ने अपनी लगन, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति समर्पण से विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे परिणाम अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हैं। इस खुशी के मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूर्वी सोनी को बधाई देते हुए भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करने की शुभकामनाएँ दीं। पूर्वी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय के शिक्षण वातावरण को दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह बेहतर परिणाम लाकर अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम गर्व से ऊँचा रखेंगी।

उदरी की कलकतिया बाई को मिला गांव में ही रोजगार

डिंडौरी । जिले की ग्राम पंचायत उदरी निवासी कलकतिया बाई को अब गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो गया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की संवेदनशील पहल के बाद संबंधित विभाग ने तत्काल मस्टर रोल जारी करते हुए उनका नाम प्रथम क्रमांक पर दर्ज किया है। रोजगार मिलने के बाद कलकतिया बाई के चेहरे पर खुशी स्पष्ट झलक रही है। उन्होंने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया है।गौरतलब है कि हाल ही में जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलकतिया बाई भावुक होकर अपनी आर्थिक स्थिति और रोजगार न मिलने की पीड़ा व्यक्त करते हुए रो पड़ी थीं। इस पर कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए थे।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की जनहितैषी और संवेदनशील कार्यशैली की जिले भर में प्रशंसा हो रही है। वे लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आम लोगों की समस्याओं को सुन रही हैं और उनकी शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर रही हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके कई वीडियो वायरल हैं, जिनमें वे ग्रामीण परिवेश में लोगों से संवाद करते हुए दिखाई देती हैं।संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण और त्वरित समाधान की इसी शैली से ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास और सम्मान तेजी से बढ़ रहा है।

वाहन सहित 6.67 लाख रुपये मूल्य का माल जब्त

अवैध शराब माफियाओं पर कसा शिकंजा 03 आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी। जिले में अवैध शराब की तस्करी को लेकर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। डिंडौरी पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से बलेनो वाहन संख्या MP20CL8508 बरामद हुआ, जिसमें 105 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने बताया कि वाहन और शराब सहित कुल 6.67 लाख रुपये मूल्य का माल जब्त किया गया है। कार्रवाई आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत पंजीबद्ध की गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जिले में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी रोकने के लिए की गई ठोस कदम है। पुलिस का कहना है

कि गिरफ्तारी और जब्ती से यह संदेश जाता है कि अवैध शराब माफियाओं को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। मामले में आगे भी जांच जारी है और आरोपी कानून के तहत सख्त कार्रवाई का सामना करेंगे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने किया नगर का निरीक्षण

शहपुरा -मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री रीना सिंह राठौर ने उपयंत्री रितिका मेरावी एवं नगर परिषद राजस्व दल के साथ नगर का निरीक्षण किया। एवं नगरीय क्षेत्र में भ्रमण कर अवैध निर्माण की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 01 एवं वार्ड क्रमांक 07 के निरीक्षण में कई मकान बिना अनुमति के पाए गए बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए।मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कहा कि नगर में निर्माण कार्य करने से पहले अनुमतियां लेना अनिवार्य है। बार-बार शिकायतें मिलने के चलते अब बिना अनुमति निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नियमों का पालन करते हुए ही निर्माण कार्य करें, ताकि नगर के सुव्यवस्थित विकास में सहयोग मिल सके।

कोतमा विधानसभा में गोंड़ समाज का नवा खाने-खिचड़ा कार्यक्रम सम्पन्न

कोतमा। विधानसभा क्षेत्र कोतमा अंतर्गत गोंड़ समाज के सामाजिक युवाओं द्वारा मौहरी गांव के पास नवा खाने-खिचड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा, वरिष्ठजन एवं समाज के पदाधिकारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने समाज की एकता, संस्कृति व परंपराओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान गोंड़ समाज के देवशरण सिंह गोंड पूर्व पार्षद नगर पालिका परिषद कोतमा ने बताया कि धर्म, संस्कृति, पूजा-पद्धति, रीति-रिवाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। साथ ही कोतमा विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले मूलनिवासी समुदाय के अधिकारों व उनके सामाजिक सरोकारों को संरक्षित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बैठक में जल-जंगल-जमीन से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जमीन से जुड़े जो मामले तहसील न्यायालय में लंबित हैं, उनका शीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए ताकि समाज के लोगों को न्याय मिल सके। इसके अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी सुझाव प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम को दुर्गा सिंह कोर्राम, चंद्रिका मरकाम, बीरन सिंह, नोहर सिंह श्याम कोतमा, नोहर सिंह मसराम आर्मी, उजयसेन परस्ते, भीमसेन परस्ते, देवनाथ सिंह मसराम, महेन्द्र सिंह परस्ते सहित कई वरिष्ठ सदस्यों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने समाजिक एकता को बनाए रखने तथा युवाओं को शिक्षा-रोजगार के प्रति जागरूक करने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में सदस्यों ने सामूहिक खिचड़ा भोजन कर आपसी भाईचारे को और मजबूत किया।

छात्रावासों को आकर्षक बनाने की पहल: सरकारी भवनों पर गोंडी पेंटिंग का कार्य शुरू

डिंडौरी। कलेक्टर डिण्डौरी द्वारा गोंडी पेंटिंग के संरक्षण, प्रोत्साहन और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एक अभिनव पहल की गई है। इस पहल के तहत जिले के शासकीय भवनों को स्वच्छ और आकर्षक रूप देने के लिए उनके मुख्य द्वारों पर गोंडी पेंटिंग कराई जा रही है। इसकी शुरुआत कलेक्ट्रेट कार्यालय से की गई है।कलेक्टर के निर्देशानुसार, सर्व शिक्षा अभियान की जिला परियोजना समन्वयक श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने जिले के सभी

छात्रावासों के मुख्य द्वारों पर गोंडी पेंटिंग कराए जाने के निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों का पालन करते हुए गाड़ासरई सहित कई छात्रावासों में पेंटिंग का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वहीं शेष छात्रावासों को आगामी 15 दिनों के भीतर यह कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।यह पहल न केवल भवनों की सुंदरता बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि स्थानीय परंपराओं और कला को नई पहचान भी दिलाएगी।

सब्जी मंडी में ऑर्गेनिक सब्जी हाट का आयोजन, स्थानीय किसानों के जैविक उत्पादों को मिला बढ़ावा

डिंडौरी

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में डिंडोरी सब्जी मंडी के टीन शेड परिसर में आज ऑर्गेनिक सब्जी हाट का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष हाट में ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसानों ने अपनी जैविक खेती से तैयार विभिन्न सब्जियों और कृषि उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। जैविक उत्पादों की आकर्षक विविधता ने खरीदारों को विशेष रूप से आकर्षित किया।यह आयोजन कृषि विभाग द्वारा संयोजित किया गया, जिसमें उपसंचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चौरसिया, जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती नेहा धुरिया, पत्रकारगढ़ के प्रतिनिधि तथा नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निरंतर प्रयासों से आयोजित किए जा रहे इस हाट बाजार का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जैविक उत्पादों को प्रोत्साहन देना, ग्रामीण किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा स्थानीय विक्रेताओं को मजबूत समर्थन प्रदान करना है। किसानों ने इस पहल को अपनी आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

स्वच्छ पर्यावरण–स्वच्छ नर्मदा संकल्प के साथ घाटों की सफाई

डिंडौरी।

मैया अभियान के तहत विगत तीन वर्षों से नर्मदा नदी के घाटों पर नियमित रूप से चल रहा स्वच्छता सेवा कार्यक्रम इस रविवार भी प्रातः 7 बजे पुल के समीप स्थित घाटों में आयोजित किया गया। डिंडोरी नगर में सर्वाधिक प्रदूषण इसी क्षेत्र के घाटों में पाया जाता है, जिसे देखते हुए अभियान की टीम लगातार यहां सफाई कार्य कर रही है।सफाई के दौरान घाटों पर फैली काँच की बोतलें, प्लास्टिक की पन्नियाँ, दूषित कपड़े एवं अन्य प्रदूषित सामग्री एकत्र कर अलग की गई। उसके बाद पूरे घाट क्षेत्र में झाड़ू लगाकर सफाई की गई। टीम द्वारा लगभग एक ट्रॉली भरकर कचरा घाट से हटाया गया।

मैया अभियान के सेवादार शाहिद खान ने बताया कि टीम हर सप्ताह घाटों की सफाई करती है, बावजूद इसके जन-जागरूकता के अभाव में लोग पुनः गंदगी फैला देते हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। अभियान की टीम ने नगरवासियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि सप्ताह में कम से कम एक दिन स्वच्छता सेवा में सहयोग दें तथा गंदगी फैलाने वालों को विनम्रता पूर्वक समझाएँ। साथ ही पुलिस विभाग से अपेक्षा जताई गई कि रात में घाटों पर मदिरापान करने वालों पर जुर्माना लगाया जाए।मैया अभियान की टीम अब इस स्वच्छता कार्यक्रम को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी जागरूक करेगी। रविवार को आयोजित स्वच्छता अभियान में जिला आयुष अधिकारी डॉ. संतोष परस्ते, प्राचार्य शाहिद खान, रक्त देवदूत भागवत यादव, योगेन्द्र गुप्ता, संतोष परमार, महेंद्र उचेहरा, बी.एड. विद्यार्थी निशा साहू, अर्चना साहू, साक्षी साहू और यथार्थ यादव ने अपनी सेवा माँ नर्मदा को समर्पित की।

अनूपपुर स्टेशन में अमृत योजना में 'विष घोल' रहा स्वच्छता संकट

यात्रियों व रहवासियों के लिए 'नरक' बना स्टेशन परिसर

सुलभ शौचालय निर्माण की मांग तेज, प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अमृत योजना के तहत अनूपपुर रेलवे स्टेशन का कायाकल्प भले ही तेज रफ्तार से चल रहा हो, लेकिन स्टेशन परिसर के बाहर स्वच्छता की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। बाहरी क्षेत्र में सुलभ शौचालय न होने के कारण यात्रियों व स्थानीय रहवासियों को गंभीर दुर्गंध और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी बदहाल है कि लोग इसे 'नरक जैसी परिस्थिति' कहकर भड़क उठे हैं। भारतीय गण वार्ता (भगवा) पार्टी के जिला महासचिव वरुण चटर्जी ने साथी कार्यकर्ताओं के साथ स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से 11 अप्रैल को महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के नाम पूर्व मे ज्ञापन सौंपा है, जिसमें स्टेशन के बाहर तुरंत सुलभ शौचालय निर्माण की मांग उठाई गई थी

स्वच्छता में बड़ी चूक

योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक बनाने, सुंदर बनाने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ देने के करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अनूपपुर स्टेशन एक महत्वपूर्ण जंक्शन होने के कारण प्रतिदिन हजारों यात्री यहाँ आते-जाते हैं, लेकिन स्टेशन के बाहर सुलभ कंपलेक्स शौचालय न होने से लोग मजबूरी में खुले में मूत्र विसर्जन कर रहे हैं, जिससे बदबू के कारण आसपास के यात्रियों, दुकानदारों और रहवासियों का जीना दूभर हो गया है। स्टेशन के अंदर मौजूद शौचालय का उपयोग करने के लिए प्लेटफार्म टिकट लेने की अनिवार्यता लोगों को रोकती है। इस कारण अधिकांश लोग सामने स्थित खाली जगह का ही उपयोग कर रहे हैं, जिससे दुर्गंध और गंदगी फैल रही है।

विष घोल रहा स्वच्छता संकट

स्टेशन के सौंदर्यीकरण पर करोड़ों खर्च होने के बाद भी सिर्फ एक सुलभ शौचालय की कमी ने पूरे अमृत योजना की छवि धूमिल कर दी है। यात्री बार-बार शिकायत कर रहे हैं कि स्टेशन के सामने फैलती गंदगी और सांस रोक देने वाली दुर्गंध के कारण योजना का औचित्य ही कमजोर पड़ रहा है। उक्त समस्या को लेकर 11 अप्रैल को भी ज्ञापन दिया गया था, परंतु आज तक कोई कार्रवाई न होने से नाराज होकर भगवा पार्टी ने मीडिया के माध्यम से जिला महासचिव वरुण चटर्जी पुनः प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि रेलवे प्रशासन को यात्रियों की असुविधा से कोई सरोकार नहीं, सिर्फ राजस्व संग्रह ही उनकी प्राथमिकता है। जनता की सुविधा के लिए उनकी कोई पहल नहीं दिखती। इन्होंने मांग की है कि सुलभ कश्म्प्लेक्स हेतु बजट स्वीकृत कर उसके निर्माण कार्य को तत्काल प्रारंभ किया जाए, जिससे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को राहत मिल सके। रहवासियों का कहना है कि सुंदर परिसर, आधुनिक इमारतें और आकर्षक लाइटिंग का कोई अर्थ नहीं, यदि यात्रियों को बुनियादी सुविधा शौचालय ही उपलब्ध न हो।

नामांतरण बंटवारा लंबित, तीन पटवारी निलंबित

अनूपपुर। जिला पंचायत सभागार में 4 दिसम्बर को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में तहसील जैतहरी, अनूपपुर तथा कोतमा में लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिसमें हल्का पटवारी जैतहरी रामबदन चौधरी के हल्का अंतर्गत नामांतरण के 64 तथा बंटवारा के 30 प्रकरण, हल्का पटवारी सेंदुरी श्रीमती प्रियंका सोनी के हल्का अंतर्गत नामांतरण के 16 तथा बंटवारा के 6 प्रकरण एवं हल्का पटवारी देवगवां सतेन्द्र विश्वकर्मा के हल्का अंतर्गत नामांतरण के 13 तथा बंटवारा के 05 प्रकरण लंबित होना पाया गया। उक्त प्रकरणों के समुचित निराकरण हेतु हल्का पटवारी जैतहरी, सेंदुरी तथा देवगवां के द्वारा कोई सकारात्मक प्रयास नही किया गया। पटवारियों द्वारा किया गया उक्त कृत्य पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही व स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है तथा म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के साथ-साथ मूलभूत नियमों का भी उल्लंघन है। जिसे संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने पटवारी रामबदन चौधरी, श्रीमती प्रियंका सोनी तथा सतेन्द्र विश्वकर्मा को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अंतर्गत निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में पटवारी श्री चौधरी का मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग जैतहरी, पटवारी श्रीमती सोनी का मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग अनूपपुर तथा पटवारी श्री विश्वकर्मा का मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग कोतमा नियत किया गया है।

निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदाय किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम में थाना कोतवाली प्रभारी शफीक खान एवं

दुर्ग एवं हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन के बीच स्पेशल ट्रेन की सुविधा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा शीतकालीन में गाड़ियों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक स्पेशल ट्रेन का परिचालन दुर्ग एवं हजरत निजामुद्दीन स्टेशन के मध्य एक फेरे के लिये किया जा रहा है। यह ट्रेन दुर्ग से गाड़ी संख्या 08760 तथा हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से गाड़ी संख्या 08761 के साथ चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंडरा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी मुरवारा, दमोह, सागर, झाँसी, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, पलवल स्टेशनों पर ठहरकर हजरत निजामुद्दीन स्टेशन तक जाएगी। 08760 दुर्गदृहजरत निजामुद्दीन स्पेशल दुर्ग से 7 दिसम्बर तथा 08761 हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग स्पेशल हजरत निजामुद्दीन स्टेशन को 08 दिसम्बर को छूटेगी।

गाड़ी संख्या 08760 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन रविवार को 07 दिसम्बर को दुर्ग से 10.45 बजे रवाना होगी जो कि रायपुर स्टेशन आगमन 11.20 बजे, प्रस्थान 11.25 बजे, उसलापुर स्टेशन आगमन 13.20 बजे, प्रस्थान 13.30 बजे, पेंडरा रोड स्टेशन आगमन 14.55 बजे प्रस्थान 14.57 बजे, अनूपपुर आगमन 15.35 बजे प्रस्थान 15.40 बजे, शहडोल स्टेशन आगमन 16.15 बजे प्रस्थान 16.17 बजे,

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

10

जबलपुर, सोमवार 8 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

डॉ राजपूत वर्धा विश्वविद्यालय में अध्ययन मंडल सदस्य मनोनीत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस समीपस्थ ग्राम सिंह पुर निवासी डॉ दिवाकर सिंह राजपूत को महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र में समाजशास्त्र अध्ययन मंडल में विषय विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। आप कैलाश सिंह राजपूत के पुत्र एवं प्रभाकर सिंह राजपूत के भाई है वर्तमान में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश के मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के संकाय-अध्यक्ष (अधिष्ठाता) के पद पद पर कार्यरत है। प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत महाराष्ट्र में अमरावती रामटेक नागपुर, छत्तीसगढ़ में रायपुर अंबिकापुर, मध्यप्रदेश में भोपाल सागर, उत्तर प्रदेश में कानपुर प्रयागराज, उत्तराखण्ड में नैनीताल, हिमाचल प्रदेश में शिमला आदि विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की विभिन्न समितियों के सदस्य हैं। प्रोफेसर राजपूत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली की मध्य प्रदेश शाखा और इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिमिनोलॉजी चेन्नई के कार्यकारिणी सदस्य भी हैं. डॉक्टर दिवाकर सिंह राजपूत की निरंतर बढ़ती उपलब्धियों से विद्यार्थियों को नित नूतन प्रेरणा मिलती है। उनकी इसी नियुक्ति पर शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की है।

भारत रत्न बाबा साहब को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस म. प्र अजाक्स एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं भीम अनुयायियों द्वारा भारत रत्न डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के 69 वे स्मरण दिवस पर डॉ आंबेडकर पार्क नरसिंहपुर मे बाबा साहब के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं कैंडल जलाकर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। उक्त जानकारी अजाक्स संघ ने संभागीय अध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी द्वारा दी गई।

एसआईआर के तहत 100 प्रतिशत डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि 5 दिसम्बर की दोपहर 2 बजे तक जिले की सभी चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। जिले के 8 लाख 69 हजार 587 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटाईजेशन का पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 118- गोटेगांव के अंतर्गत 2 लाख 21 हजार 19 मतदाताओं, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 119- नरसिंहपुर के अंतर्गत 2 लाख 36 हजार 932 मतदाताओं, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 120- तेंदूखेड़ा के अंतर्गत एक लाख 92 हजार 992 मतदाताओं और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 121- गाडरवारा के अंतर्गत 2 लाख 18 हजार 644 मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र गोटेगांव में 258 बीएलओ, नरसिंहपुर में 262 बीएलओ, तेंदूखेड़ा में 226 बीएलओ और गाडरवारा में 231 बीएलओ नियुक्त किए गए थे। बीएलओ की सहायता के लिए नगरीय क्षेत्र में नगर पालिका कार्यालय का स्टाफ, वार्ड प्रभारी, पटवारी ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका, शिक्षक, ग्राम कोटवार आदि नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन डाटा एंट्री ऑपरेटर्स भी नियुक्त किए गए थे।

शहनाईयां थमीं दो माह बाद फिर शुरू होंगे विवाह

तेंदूखेड़ा शुक्र के अस्त होने के कारण इस वर्ष विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले माघ मास में विवाह कार्य के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहेंगे। इस वर्ष 11 दिसम्बर को शुक्र का अस्त हो जायेगा।अस्त होने के तीन दिन पूर्व वार्धक्य दोष आरंभ हो जाता है। 6 दिसम्बर को इस वर्ष विवाह की अंतिम लग्न थी। हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक आचार्य चतुष्टय पं प्रमोद पचौरी ने बताया कि इसके बाद लगभग 52 दिनों की अवधि के बाद माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा दिनांक 1 फरवरी 2026 को शुक्र का उदय होगा।उदय होने से तीन दिन तक शुक्र का बालत्व दोष रहेगा, और फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया दिनांक 4 फरवरी 2026 से विवाह आदि मांगलिक कार्य पुनः प्रारंभ होंगे।

नागपुर से किया जा रहा था परिवहन, दो आरोपी गिरफ्तार

मागुर प्रजाति की 3 टन मछलियों को किया दफन

थाईलैंड में पाई जाती है मागुर मछली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीती रात पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार स्टेशन गंज थाना पुलिस द्वारा रात्रि गस्ती दौरान के सिंहपुर चौराहा के पास संदेह के आधार पर दो पिकअप वाहनों को रोका गया एवं उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहनों में भारी मात्रा में मछली भरी हुई पाई गई। मछलियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु मत्स्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया, जिनके द्वारा परीक्षण उपरांत उक्त मछलियों को प्रतिबंधित (थाईलैंड) प्रजाति की मागुर मछली होना बताया गया। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर प्रतिबंधित मागुर मछली को जप्त कर संबंधित व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है तथा उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गयी है।

दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने बताया कि आरोपी सतीश गौर निवासी नागपुर महाराष्ट्र

एवं सतीश परिहार निवासी नागपुर महाराष्ट्र के पास से लगभग 3 टन प्रतिबंधित (थाईलैंड) प्रजाति की मागुर मछली एवं दो पिकअप वाहन जब्त किए गए। आरोपियों के विरूद्ध धारा 5 फिशरीज एक्ट एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। आरोपीगण द्वारा प्रतिबंधित (थाईलैंड) प्रजाति की मागुर मछली का परिवहन किया जा रहा था, जो कि नियमों का उल्लंघन है एवं जैव-विविधता एवं पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। उक्त जप्तशुदा मछली को मत्स्य विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है, जिनके द्वारा उसके नष्टीकरण विभाग द्वारा किया गया। विदेशी मछली थाई मांगुर प्रजाति की मछली की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। दो पिकअप वाहनों में भरकर तीन हजार किलो मछली महाराष्ट्र के नागपुर से नर्मदापुरम ले जाई जा रही थी। बाद में बड़े गड्ढे में मछलियों को नष्ट किया गया।

यह है प्रतिबंध का कारण

उक्त मछली भारत में इसलिए प्रतिबंधित है क्योकि इसके खाने से कैंसर, डायबिटीज जैसी बीमारियों होती हैं। पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। पुलिस के मुताबिक स्टेशनगंज थाना पुलिस ने देर रात कार्रवाई की। एमएच 49 बीजेड 2008 और एमएच 49 बीजेड 5655 नंबर के इन वाहनों में भारी मात्रा में थाई मांगुर मछली भरी मिली। दोनों वाहनों में 1500-1500 किलो मछली भरी थी। मछली को चारों ओर से तिरपाल लगाकर पानी भरकर भरा गया था। मछली को दो पिकअप वाहनों में नागपुर से नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी क्षेत्र ले जाई जा रही थी। जांच में पता चला कि पिकअप में भरी मछली थाईलैंड मांगुर प्रजाति की है। यह भारत में प्रतिबंधित है। वाहन चालक मछलियों के परिवहन संबंधी आवश्यक अनुमति और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके बाद मत्स्य विभाग और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से मछली जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। उक्त मामले में आगे की जांच जारी है।

मछली बीमारियों का बनती है कारण

भारत में थाई मांगुर नामक मछली के पालन पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2000 में प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसा मुख्यतः इस मांसाहारी मछली द्वारा जलीय आवास में अन्य मछलियों के लिए उत्पन्न खतरे के कारण किया गया था। रिसर्च के अनुसार थाई मांगुर भारत की देशी मछली प्रजातियों में 70 प्रतिशत कमी के लिए जिम्मेदार है, जिसका जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, मछुआरे इन्हें पालक के साथ सड़ा हुआ मांस खिलाते हैं, जिससे पानी प्रदूषित होता है। जलाशय का पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो जाता है। महाराष्ट्र जैसे कई भारतीय राज्यों में, मछलियों को अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में पाला जाता है, जिससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को खतरा होता है। परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने थाई मांगुर के पालने पर प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि इससे लोगों और पर्यावरण को अतिरिक्त खतरा हो रहा था।

विद्या भारती प्रांतीय शिशु वाटिका प्रमुख प्रभात सिंह का हुआ आगमन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रान्त शिशु वाटिका प्रमुख प्रभात सिंह का एक दिवसीय प्रवास पर आगमन हुआ। प्रार्थना सभा में आपने आचार्य परिवार एवं भैया- बहिनों का मार्गदर्शन करते हुये रामचरित मानस के आदर्श चरित्रों पर प्रेरणादायी विचार रखे। विद्यार्थियों को पूर्ण मनोयोग के साथ अध्ययन करते हुये परीक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिये निर्देशित किया। नवनिर्मित शिशु वाटिका उद्यान तथा 12 आयामों में प्रदान की जा रही शिक्षा व्यवस्था व शिशु वाटिका कक्षाओं का अवलोकन कर उपयोगी सुझाव संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी, प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, राजेन्द्र पटैल को दिये। 15 दिवसीय शिशु वाटिका वर्ग ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित किये जाने की जानकारी भी आपके द्वारा दी गई।

गायत्री परिवार द्वारा सुहागलों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस गायत्री परिवार द्वारा कार्तिक मास में आयोजित माता तुलसी जी भगवान शालिग्राम के विवाह के उपरांत होने वाली सुहागलो का आयोजन किया गया। जिसमें नगर की सभी मातृ शक्तियों द्वारा अखंड सौभाग्य एवं जन कल्याण के लिए माता तुलसी एवं सुहागन माता से प्रार्थना की गई कार्यक्रम में उपस्थित नगर की वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती संध्या कोठारी ने गायत्री महामंत्र की महिमा एवं श्रीमद् भागवत गीता के बारे में बताया एवं गायत्री परिवार द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों की प्रशंसा की मंदिर प्रबंधन श्रीमती हेमलता शर्मा द्वारा सुहागन माता का गीत गया एवं मंदिर की ट्रस्टी श्रीमती मंजू श्रीवास्तव द्वारा विधि विधान से पूजा कराई गई एवं वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप की जन्म शताब्दी 2026 में आयोजित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गायत्री परिवार की सदस्या श्रीमती नमिता साहू द्वारा जबलपुर में 19 दिसंबर से 22 दिसंबर में आयोजित 251 कुंडीए गायत्री महायज्ञ की जानकारी दी एवं श्रीमती भारती कौरव द्वारा माता तुलसी भगवान शालिग्राम से भजन के माध्यम से संगठन की शक्ति एकता एवं अखंडता के लिए प्रार्थना की गई। इस कार्यक्रम में नगर की करीब ढाई सौ मातृशक्तियों ने अपनी सहभागिता दी।

राज्य शिक्षक संघ की तहसील एवं ब्लाक इकाई द्वारा सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षक संवर्गों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन तेंदूखेड़ा तहसीलदार एवं विकास खंड मुख्यालय पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चांवरपाठा को सौंपा गया है ।जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे। सौंपें गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राज्य शिक्षा सेवा में अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति एक जुलाई 2018 से की गई है ।उस दिन के बाद से आज तक अध्यापक संवर्ग से नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठता तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है ।नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता न मिलने के कारण अनेक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए। मध्यप्रदेश के सरकारी विद्यालयों के शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय जाकर निष्ठापूर्ण कार्य किया करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप ही प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शासकीय विदयालयों के बच्चे प्रदेश और जिले में स्थान बनाते हैं। नियमित उपस्थिति के लिए अव्यवहारिक ई अटेंडेंस व्यवस्था को बंद किया जाए।यदि समय रहते हम सभी की समस्यायों का निराकरण नहीं किया जाता है तो संघ से जुड़े सभी शिक्षक आंदोलन करने के लिए वाध्य होंगे।

शिक्षक के निधन पर दी श्रद्धांजलि

तेंदूखेड़ा

रविवार को राज्य शिक्षक संघ की तहसील इकाई तेंदूखेड़ा द्वारा शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में बिल्थारी के प्रभारी प्राचार्य श्री भुजबल चौधरी के असमय निधन एवं डोभी के प्रतिष्ठित पत्रकार जनपद सदस्य सूर्यकांत दिवगैंया के असमय दुखद निधन पर बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों ने अपनी अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रंद्धाजलि अर्पित की गई। साथ ही भुजबल चौधरी की धर्मपत्नी भी गंभीर रूप से घायल हैं जिनका जबलपुर में इलाज चल रहा है। उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने की कामना ईश्वर से की गई।

दो साल से फंसा आमजन का सहारा, शिक्षा-इलाज-शादी जैसे जरूरी खर्चों के लिए भी नहीं बिक पा रही जमीनें

आबादी मद की जमीन की रजिस्ट्री ठप्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

नगर में आबादी मद की जमीन की रजिस्ट्री बीते डेढ़ से दो वर्षों से ठप पड़ी है, जिससे आमजनता भारी परेशानियों से जूझ रही है। कभी शिक्षा, बीमारी, विवाह या अन्य जरूरी खर्चों के लिए लोग अपनी आबादी भूमि बेचकर तत्काल राहत पा लेते थे, लेकिन अब यही प्रक्रिया बड़े संकट का रूप ले चुकी है। हालांकि शिरीश घोडे, प्रकाश मेटांगले, अब्दुल गफ्फार, राधेशाम साठोने, अजय गायधने और अन्य नागरिकों ने कुछ माह पहले एसडीएम और कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर इस समस्या के जल्द समाधान की मांग की थी लेकिन समस्या अब भी जब की तस है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा आबादी क्षेत्र की भूमि की रजिस्ट्री के लिए कलेक्टर की अनुमति अनिवार्य बताई जा रही है। रजिस्ट्री ऑफिस की कर्मचारी प्रीति विश्वकर्मा का कहना है कि "पांढुर्ना का अधिकांश हिस्सा अधिसूचित क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां की भूमि रजिस्ट्री नियमानुसार केवल कलेक्टर की अनुमति से ही संभव है।" जब उनसे पूछा गया कि पिछले 50 वर्षों से यह रजिस्ट्री बिना अनुमति के सुचारू रूप से होती आ रही थी, तो इस नियम में अचानक आए बदलाव का स्पष्ट कारण वे नहीं बता सकीं।

50 प्रतिशत नागरिक आबादी भूमि पर

पांढुर्ना के लगभग 30 वार्डों में से 15-20 वार्ड पूरी तरह आबादी मद की भूमि पर बसे हुए हैं। यहां लोग 100-200 सालों से परंपरागत रूप से रह रहे हैं। दो वर्ष पहले तक जरूरत पड़ने पर लोग अपनी जमीन का सौदा कर तुरंत रजिस्ट्री करा लेते थे। परिवार में बीमारी हो, किसी सदस्य की शादी हो, या बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए धन चाहिए। ऐसी समस्याओं से उबरने के लिए जमीन ही उनकी सबसे बड़ी संपत्ति और संकटमोचक साबित होती थी। लेकिन पिछले दो वर्षों में हालात पूरी तरह बदल गए हैं। न तो रजिस्ट्री हो पा रही है, न ही बैंक ऐसी जमीनों पर लोन देने के लिए तैयार हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग बुरी तरह प्रभावित और परेशान है। जिन लोगों के परिवार में उपचार, पढ़ाई या विवाह जैसी अनिवार्य जरूरतें पैदा हो रही हैं, वे आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उपाय न मिलने से गहरी निराशा का सामना कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को तत्काल समाधान निकालकर रजिस्ट्री प्रक्रिया को पूर्ववत करना चाहिए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और उनकी वर्षों पुरानी जमीनें उनके ही लिए मुसीबत न बनें।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने निकाली बैलगाड़ी रैली, सौंपा ज्ञापन

बैल बने पुरूषों ने टांगा सांसद और केंद्रीय मंत्री का फोटो

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा ब्लॉक में किसानों की बदहाली एवं न्यूनतम विक्रम मूल्य लागू न होने, बिजली कटौती, सिंचाई संकट और माचागोरा लिफ्ट इरिगेशन योजना में 20 वर्षों की देरी के विरोध में गत दिवस गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, **GSU**, **JBD Group**, राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा और किसान संगठनों ने बैलगाड़ी रैली निकालकर अमरवाड़ा एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। किसानों ने सांकेतिक रूप से दो बैलों पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और छिंदवाड़ा सांसद बंटी साहू के नाम लिखकर संदेश दिया कि"किसानों की कमान अब पूंजीपतियों के हाथ में नहीं, किसानों के हाथ में होनी चाहिए।"एसडीएम ने स्वीकार किया न्यूनतम विक्रय मूल्य लागू होने का कोई आदेश हम तक नहीं पहुँचा"जब प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम अमरवाड़ा से प्रश्न किया कि 02 जून 2025 को कृषि मंत्रालय द्वारा जारी **MSP** आदेश आपके कार्यालय में क्यों लागू नहीं किया गया?"तो एसडीएम ने जवाब दिया। ऐसा कोई आदेश हमें प्राप्त नहीं हुआ।"यह जवाब सुनते ही किसानों में भारी आक्रोश फैल गया, क्योंकि **MSP** के सरकारी आदेश की प्रति रैली में उपस्थित प्रत्येक किसान के हाथ में थी। इससे यह सिद्ध होता है कि सरकार और प्रशासन संगठित रूप से **MSP** लागू न करते हुए किसानों को गुमराह कर रहे हैं। पूंजीपति और बिचौलियों को फायदा, किसान को नुकसान अमरवाड़ा, तामिया, हर्रई और चौरई में मक्का का दाम 1400–1600 रुपये/क्विंटल तक गिर चुका है, जबकि सरकार द्वारा घोषित **MSP** 2400 है। किसानों को हर क्विंटल पर 800–1000 रुपये का सीधा नुकसान। मंडी अधिनियम, **Essential Commodities Act**, अनुच्छेद 38, 39(**b**), 46 का खुला उल्लंघन। बिजली संकट 5–10 घंटे की कटौती, अवैध बिल सिंचाई पूरी तरह ठपकिसानों ने बताया कि ट्यूबवेल बंद, पूरी रात बिजली गायब, 10,000–25,000 तक के गलत बिल थमा दिए गए। खेत की फसल सूख रही है।